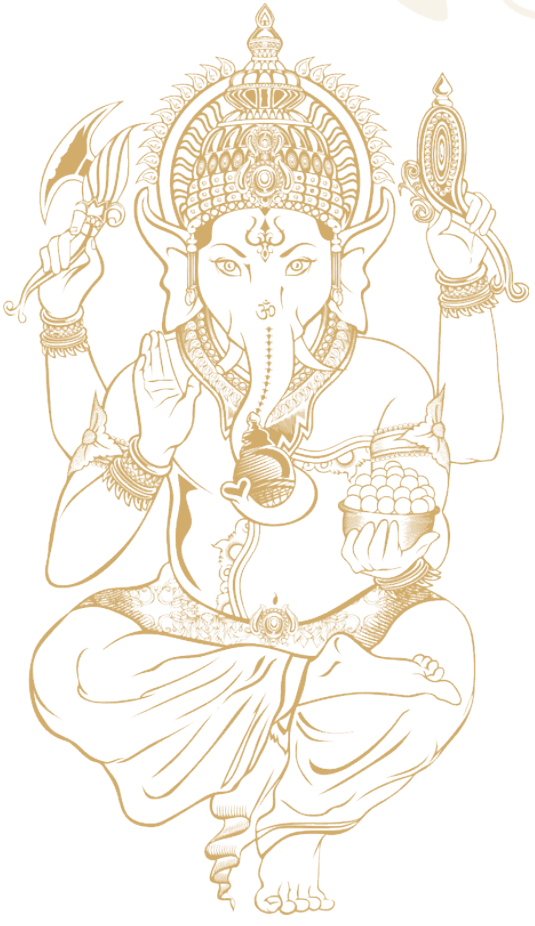

Mr.Hitesh

Ms.gaytri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119740402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/09/1997	जन्म तिथि	06/12/1997
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 12:55:00	जन्म समय	11:27:00 घंटे
घटी 16:40:14	जन्म समय(घटी)	10:49:16 घटी
India	देश	India
Patiala	स्थान	Abohar
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	30:09:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व	रेखांश	74:11:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:33:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:54	सूर्योदय	07:15:47
18:16:09	सूर्यास्त	17:32:50
23:49:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:36

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 8वर्ष 3मा 26दि		04:26:46	धनु	लग्न	मक	22:42:06	राहु 17वर्ष 2मा 23दि	
केतु		09:25:13	कन्या	सूर्य	वृश्चि	20:19:18	गुरु	
23/01/2023		10:49:32	कर्क	चंद्र	कुंभ	07:14:08	01/03/2015	
22/01/2030		04:21:02	वृश्चि	मंगल	धनु	26:48:45	01/03/2031	
केतु	21/06/2023	25:41:42	सिंह	बुध	धनु	09:21:59	गुरु	18/04/2017
शुक्र	20/08/2024	18:30:09	मक व	गुरु	मक	23:33:58	शनि	30/10/2019
सूर्य	26/12/2024	22:33:45	तुला	शुक्र	मक	02:45:42	बुध	04/02/2022
चन्द्र	27/07/2025	24:09:38	मीन व	शनि व	मीन	19:48:07	केतु	11/01/2023
मंगल	23/12/2025	25:53:29	सिंह	राहु व	सिंह	21:16:53	शुक्र	11/09/2025
राहु	10/01/2027	25:53:29	कुंभ	केतु व	कुंभ	21:16:53	सूर्य	30/06/2026
गुरु	17/12/2027	11:02:53	मक व	हर्ष	मक	12:03:15	चन्द्र	30/10/2027
शनि	25/01/2029	03:24:03	मक व	नेप	मक	04:15:33	मंगल	05/10/2028
बुध	22/01/2030	09:31:55	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:58:50	राहु	01/03/2031

लग्न-चलित

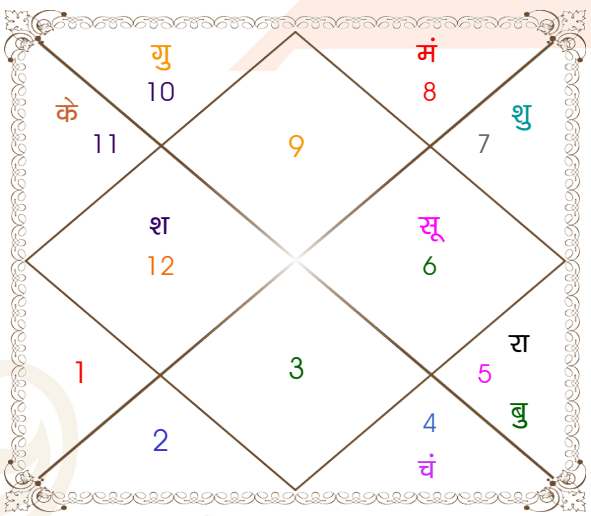

लग्न-चलित

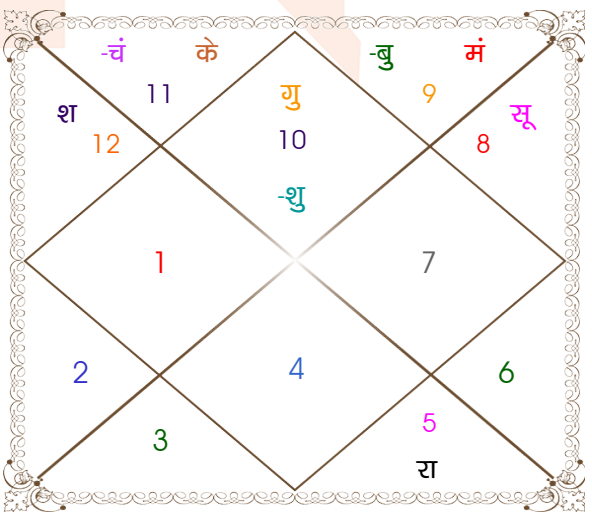

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्भ्पजमेी का वर्ग मेष है तथा Ms.gaytri का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्भ्पजमेी और Ms.gaytri का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्भ्पजमेी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्भ्पजमेी कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्भ्पजमेी कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.gaytri मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.gaytri कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.gaytri कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्भ्पजमेी तथा Ms.gaytri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।